GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

No.2005/H/21/FHU **New Delhi, dated 16.1.2006.**

General Managers
All Indian Railways.

Sub : Provision for Investigation facilities at health unit level.

To improve the standard of Health Care delivery through Railway Health Units, the proposal for provision of investigation facilities at health unit level has been under consideration by the Board for some time. After careful examination of the matter it has been decided that any health unit which is located more than 75km. away from the concerned Railway Hospital should be included under the present scheme.

2. Following investigations are allowed:-

A. Routine urine examination
B. Routine stool examination.
C. Blood test for Hb, TLC, DLC, ESR, Malaria Parasite, Blood sugar, urea, creatinine, totalprotein, Albumin, Globulin, AG ratio, S.Billrubin, Alkaline phosphatase, SGOT, SGPT, Total Cholesterol,
D. E.C.G test.
E. X-ray of chest, limbs, Head, abdomen (special investigation by X-ray like IVP, Barium meal study etc. not permitted).

3. (a) E.C.G. to be done by in house system. For this if a nurse is posted in the health unit, then the nurse will take E.C.G. as part of her routine job. In those health units where there is no post of a nurse or there is a vacancy, then the E.C.G. may be taken by suitable trained Group 'C' staff of the health unit for which honorarium of Rs.100/- p.m. may be paid. The doctor of the health unit to be trained to do basic reading of the E.C.G recording.

(b) For all the other investigations suitable tie up to be developed with locally available. Govt./Pvt. Hospital or a diagnostic center.

Assurance of proper quality reporting to be done properly.

4. The Testing/Diagnostic Centres may be decided at the Divisional level itself by the CMS/MS-in-charge in consultation with their associate Finance, the norms for which may be clearly decided between them considering the local conditions.

5. Ceiling limit of expenditure

To start with, an upper ceiling limit of expenditure is made as below:-

A. For health unit with single doctor's post Rs.5,000/- p.m.
B. For health unit with two doctors or more Rs.10,000/- p.m.

6 Monitoring of the directives.

Proper monitoring with relation to expenditure incurred and benefit obtained to be done. A monitoring proforma has been prepared and enclosed as annexure. Monthly Statement to be prepared and sent along with MCDO for proper monitoring. Review will be undertaken after 3 months and 6 months.

7 This issues with the concurrence of Finance Directorate of Ministry of Railways.

DA: one

13/1/06

(Dr.Hanuman Singh)
Executive Director /Health
Railway Board

No.2005/H/21/FHU **New Delhi, dated** 16-1-2006.

Copy forwarded to:-

1. FA&CAO/ All Indian Railways.
2. The Chief Medical Director, All Indian Railways.

13/1/06.

(Dr.Hanuman Singh)
Executive Director /Health
Railway Board

No.2005/H/21/FHU **New Delhi, dated** the 16th Jan, 2006

Copy forwarded

1. Principal Director of Audit/ All Indian Railways.
2. Deputy Comptroller and Auditor General of India (Railways), Room No.224, Rail Bhawan, New Delhi.

For Financial Commissioner/ Railways.

Copy to: EDF(E),DDF(E)I & F(E) Spl. Branch/Rly. Board.

ANNEXURE

Parameters for monitoring the investigation facilities provided in selected railway health units

1. Total number of tests done every month

   1.1 For the Hb, TLC, DLC test _____
   1.2 Blood biochemistry test _____
   1.3 Urine analysis _____
   1.4 Stool analysis _____
   1.5 X-Ray test done _____
   1.6 ECG done _____

2. Total amount of money spend every month

   2.1 For blood test + urine + stool tests _____
   2.2 For X-Ray test _____
   2.3 For ECG test _____

3. Number of cases referred to railway hospitals _____

4. Average no. of mandays loss per RMC (both normal + HOD) fit given _____

5. No. of cases detected for the first time suffering from

   5.1 Diabetes Mellittus _____
   5.2 T.B. _____
   5.3 I.H.D. _____

भारत सरकार
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

सं. 2005/एच/21/एफ एम यू नई दिल्ली, दिनांक : 16.1.06

महाप्रबंधक,
सभी भारतीय रेलें.

विषय : स्वास्थ्य इकाई स्तर पर जांच सुविधाओं की व्यवस्था करना.

रेलवे स्वास्थ्य इकाईयों के माध्यम से हेल्थ केयर डिलीवरी के स्तर में सुधार करने के लिए स्वास्थ्य इकाई स्तर पर जांच सुविधाओं की व्यवस्था करने संबंधी प्रस्ताव कुछ समय से बोर्ड के विचाराधीन रहा है. इस मामले की सावधानीपूर्वक जाँच करने के बाद यह विनिश्चय किया गया है कि किसी भी ऐसे स्वास्थ्य इकाई, जो संबंधित रेल अस्पताल से 75 कि.मी. से अधिक दूरी पर स्थित है, को मौजूदा योजना में शामिल किया जाए.

2. निम्नलिखित जांच अनुमेय है :-

(क) मूत्र की नेमी रूप से जांच
(ख) मल की नेमी रूप से जांच
(ग) एच बी, टी एल सी, डी एल सी, ई एस आर, मलेरिया पैरासाइट, ब्लड सुगर, यूरिया, क्रिएटाईनाइन, टोटल प्रोटीन, एल्बुमीन, ग्लोबुलीन, ए जी अनुपात, एस बिलरूबिन, अल्कालाइन फास्फेटस, एस जी ओ टी, एस जी पी टी, टोटल कैलोस्ट्राल
(घ) ई सी जी की जांच
(ड.) छाती, अंगों, सिर, उदर का एक्स-रे (आई वी पी, बेरियम मील अध्ययन आदि जैसे की एक्स-रे द्वारा विशेष जांच करने की अनुमति नहीं है.)

3 (क) ई सी जी हाउस प्रणाली से की जानी है. इसके लिए, यदि उस स्वास्थ्य इकाई में कोई नर्स तैनात है तो उसके नेमी कार्य के भाग के रूप में उस नर्स द्वारा ई सी जी की जाएगी. उन स्वास्थ्य इकाइयों में, जहां नर्स का कोई पद नहीं है अथवा पद खाली है तो ई सी जी उस स्वास्थ्य इकाई के उपयुक्त रूप से प्रशिक्षित किसी समूह ग कर्मचारी द्वारा की जाए उसके लिए उसे 100/- प्रतिमाह का मानदेय का भुगतान किया जाए. उस स्वास्थ्य इकाई के डाक्टर को उस ई सी जी की मूलभूत रिकार्डिंग को पढ़ने के लिए प्रशिक्षित किया जाए.

(ख) अन्य सभी जांचों के लिए, स्थानीय रूप से उपलब्ध सरकारी/निजी अस्पताल अथवा किसी निदान केन्द्र के साथ उपयुक्त समझौता कर लिया जाए.

उचित क्वालिटी की रिपोर्टिंग करने का आश्वासन समुचित ढंग से प्राप्त किया जाए

4. परीक्षण/निदान केन्द्रों का निर्णय मंडल स्तर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/चिकित्सा प्रभारी अधीक्षक द्वारा स्वयं अपने सह-वित्त के परामर्श से लिया जाए और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, आपस में इसके मानदंड स्पष्ट रूप से तय किए जाएं.

5. **व्यय की अधिकतम सीमा**

आरंभ में, व्यय की अधिकतम उच्चतम सीमा निम्नानुसार तय की गई है :

(क) एक डाक्टर के पद वाले स्वास्थ्य इकाई के लिए 5000 रु. प्रतिमाह
(ख) दो अथवा अधिक डाक्टरों वाले स्वास्थ्य इकाई के लिए 10,000 रु. प्रतिमाह

6. **दिशा-निर्देशों पर निगरानी रखना**

किए गए व्यय तथा प्राप्त किए गए लाभों के संबंध में उचित निगरानी रखी जाए. एक निगरानी प्रोफार्मा तैयार किया गया है और अनुबंध के रूप में संलग्न है. मासिक विवरण तैयार किया जाए और उचित निगरानी के लिए एम सी डी ओ के साथ भेजा जाए. 3 महीने तथा 6 महीने के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी.

7. इसे रेल मंत्रालय के वित्त निदेशालय की सहमति से जारी किया जा रहा है.

संलग्नक : एक

13/1/06.

(डॉ हनुमान सिंह)
कार्यकारी निदेशक (स्वा.)
रेलवे बोर्ड

सं. 2005/एच/21/एफ एम यू

नई दिल्ली, दिनांक: 16.1.06

प्रतिलिपि प्रेषित-

1. वित्त एवं मुलेधि, सभी भारतीय रेलें
2. मुख्य चिकित्सा निदेशक/सभी भारतीय रेलें

18/1/06.

(डॉ हनुमान सिंह)
कार्यकारी निदेशक (स्वा.)
रेलवे बोर्ड

सं. 2005/एच/21/एफ एम यू

नई दिल्ली, दिनांक : 16.1.06

प्रतिलिपि प्रेषित-

1. प्रमुख निदेशक लेखा परीक्षा/सभी भारतीय रेलें
2. भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (रेलें), कमरा नं. 224, रेल भवन, नई दिल्ली.

कृते वित्त आयक्त/रेल